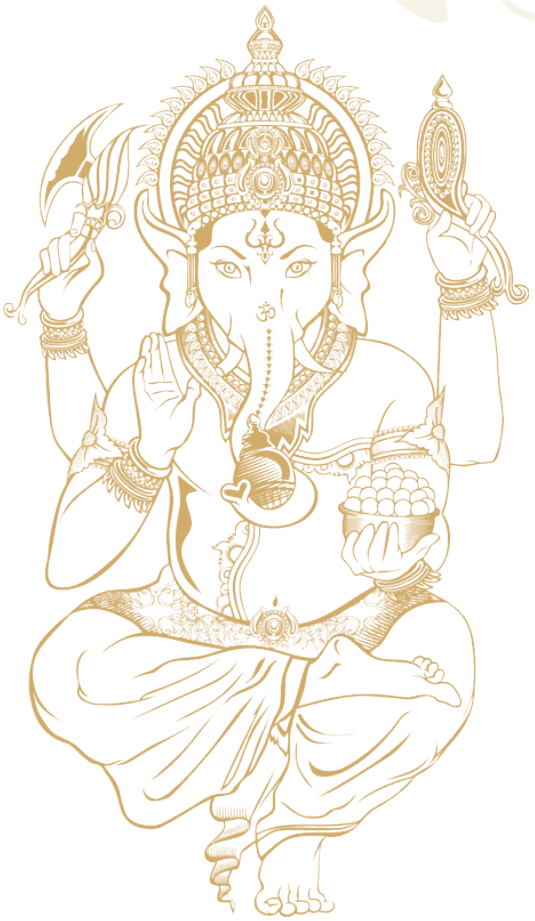

vivek

priyanka

Model: Horoscope-Matching

Order No: 121689201

Model: Horoscope-Matching

Order No: 121689201 Date: 23/03/2026

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
22/03/1999	जन्म तिथि	5-06/12/2000
सोमवार	दिन	मंगल-बुधवार
घंटे 22:30:00	जन्म समय	01:30:00 घंटे
घटी 40:07:01	जन्म समय(घटी)	45:50:51 घटी
India	देश	India
Una	स्थान	Panipat
31:28:00 उत्तर	अक्षांश	29:24:00 उत्तर
76:19:00 पूर्व	रेखांश	76:58:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:24:44	स्थानिक संस्कार	-00:22:08 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:27:11	सूर्योदय	07:02:27
18:36:15	सूर्यास्त	17:23:17
23:50:35	चित्रपक्षीय अयनांश	23:51:55

तुला	लग्न	कन्या
शुक्र	लग्न लग्नाधिपति	बुध
वृष	राशि	मीन
शुक्र	राशि-स्वामी	गुरु
रोहिणी	नक्षत्र	उ०भाद्रपद
चन्द्र	नक्षत्र स्वामी	शनि
2	चरण	2
प्रीति	योग	सिद्धि
तैतिल	करण	तैतिल
वा-वासुदेव	जन्म नामाक्षर	थ-थाकोरी
मेष	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	धनु
वैश्य	वर्ण	विप्र
चतुष्पाद	वश्य	जलचर
सर्प	योनि	गौ
मनुष्य	गण	मनुष्य
अन्त्य	नाड़ी	मध्य
मृग	वर्ग	सर्प

ग्रह अंश एवं विंशोत्तरी

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
चन्द्र 6वर्ष 1मा 19दि		28:01:00	तुला	लग्न	कन्या	07:47:12	शनि 10वर्ष 8मा 20दि	
राहु		07:46:51	मीन	सूर्य	वृश्चि	20:08:09	बुध	
11/05/2012		15:08:59	वृष	चंद्र	मीन	09:08:29	27/08/2011	
11/05/2030		18:15:14	तुला व	मंगल	कन्या	25:30:40	27/08/2028	
राहु	22/01/2015	02:14:21	मीन व	बुध	वृश्चि	09:11:45	बुध	23/01/2014
गुरु	17/06/2017	14:55:20	मीन	गुरु व	वृष	11:14:16	केतु	20/01/2015
शनि	23/04/2020	11:20:27	मेष	शुक्र	मक	03:09:59	शुक्र	20/11/2017
बुध	10/11/2022	08:28:44	मेष	शनि व	वृष	02:19:42	सूर्य	26/09/2018
केतु	29/11/2023	27:32:38	कर्क व	राहु व	मिथु	22:07:18	चन्द्र	26/02/2020
शुक्र	28/11/2026	27:32:38	मक व	केतु व	धनु	22:07:18	मंगल	22/02/2021
सूर्य	23/10/2027	21:31:35	मक	हर्ष	मक	23:42:25	राहु	12/09/2023
चन्द्र	23/04/2029	09:58:27	मक	नेप	मक	10:38:28	गुरु	17/12/2025
मंगल	11/05/2030	16:37:54	वृश्चि व	प्लूटो	वृश्चि	18:55:08	शनि	27/08/2028

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

23:50:35 चित्रपक्षीय अयनांश 23:51:55

लग्न-चलित

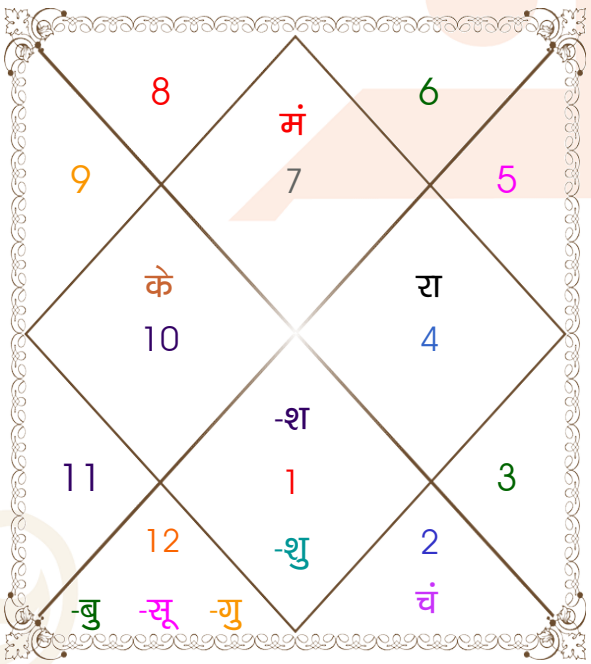

लग्न-चलित

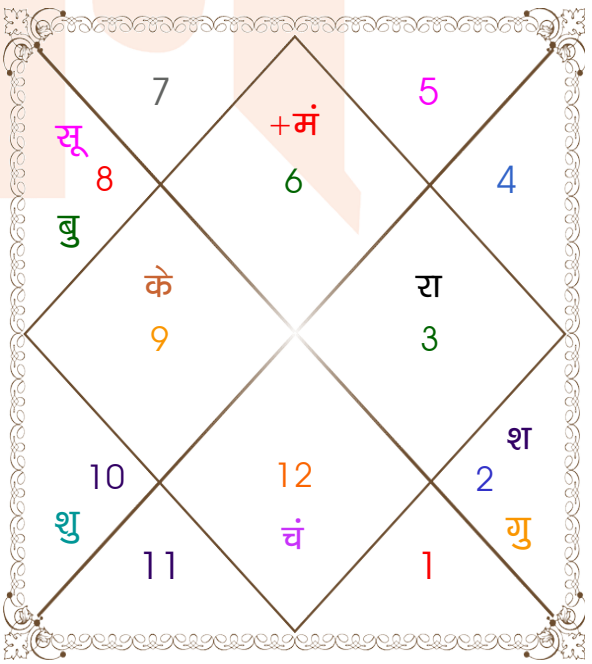

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	वैश्य	विप्र	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	चतुष्पाद	जलचर	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	साधक	प्रत्यारि	3	1.50	--	भाग्य
योनि	सर्प	गौ	4	1.00	--	यौन विचार
मैत्री	शुक्र	गुरु	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	मनुष्य	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	वृष	मीन	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	मध्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	25.00		

कुल : **25 / 36**

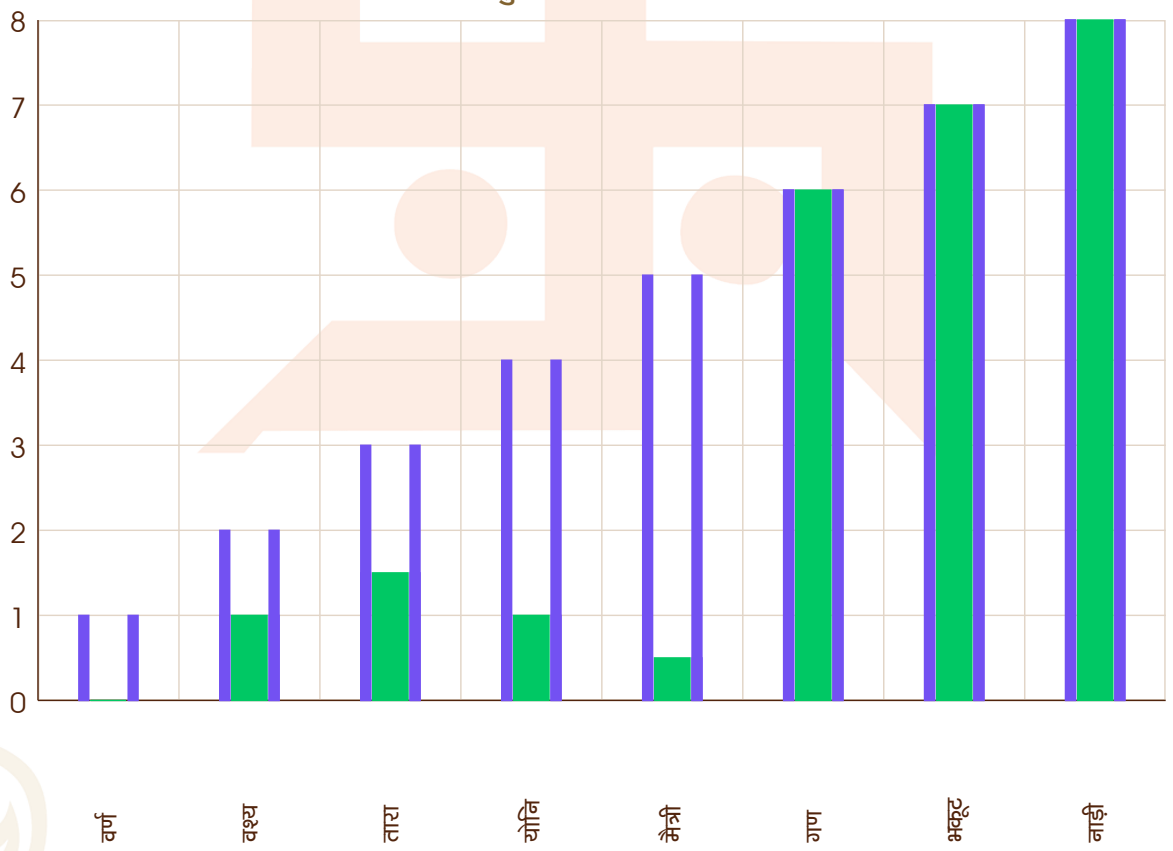

अष्टकूट मिलान

vivek का वर्ग मृग है तथा priyanka का वर्ग सर्प है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार vivek और priyanka का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

vivek मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में प्रथम भाव में स्थित है।

priyanka मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में प्रथम भाव में स्थित है।

vivek तथा priyanka में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।

अष्टकूट फलादेश

वर्ण

vivek का वर्ण वैश्य है तथा priyanka का वर्ण ब्राह्मण है। क्योंकि priyanka का वर्ण vivek के वर्ण से ऊँचा है जिसके कारण यह अच्छा मिलान नहीं है। priyanka अति अहंकारी, शाहखर्च एवं दिखावा करने वाली होगी। priyanka को हमेशा यह महसूस होता रहेगा कि उसका पति निम्न दर्जे का है तथा बहुत कम कमाता है। इस कारण से उसमें निराशा की भावना घर कर कर सकती है।

वश्य

vivek का वश्य चतुष्पद अर्थात पशु है एवं priyanka का वश्य जलचर है अतः यह मिलान औसत मिलान होगा। पशु एवं जलचर दोनों का साथ-साथ प्रकृति में सह अस्तित्व होता है। इसलिये दोनों के स्वभाव, गुण, व्यवहार एवं पसंद/नापसंद अलग-अलग होंगे। जिसके फलस्वरूप दोनों शायद ही कभी एक-दूसरे को नुकसान पहुंचायेंगे। vivek एवं priyanka दोनों अपने-अपने अलग कर्त्तव्य एवं उत्तरदायित्व निभाते रहेंगे। इस मिलान में vivek एवं priyanka दोनों एक-साथ प्रेमपूर्वक अपने कर्त्तव्य एवं उत्तरदायित्व का निर्वहन करते रहेंगे।

तारा

vivek की तारा साधक तथा priyanka की तारा प्रत्यरि है। priyanka की तारा प्रत्यरि होने के कारण यह मिलान औसत मिलान ही है। संभाव है कि यह विवाह vivek एवं उसके परिवार के लिए हानिकारक साबित हो। priyanka का स्वभाव बिल्कुल लापरवाह, स्वार्थी एवं असहयोग की भावना वाली हो सकती है तथा भविष्य मे अपने स्वार्थ की पूर्ति करने में ही लगी रह सकती है। साथ ही priyanka के अवैध संबंध तक भी हो सकते हैं जिसके फलस्वरूप पति, बच्चों एवं संपूर्ण परिवार को काफी कष्ट एवं पीड़ा का सामना कर पड़ सकता है। vivek अत्यधिक आध्यात्मिक हो सकता है तथा अपना अधिकांश समय आध्यात्मिक गतिविधियों में ही व्यतीत करता रहेगा।

योनि

vivek की योनि सर्प है तथा priyanka की योनि गौ है। अर्थात दोनों की योनि समान नहीं है। इन दोनों योनि के बीच सामान्य वैर है। अतः यह मिलान अच्छा मिलान न होकर बुरा मिलान ही रहेगा। जिसके कारण दोनों की रुचि एवं पसंद नापसंद अलग- अलग ही होंगी। इनके वैवाहिक एवं पारिवारिक जीवन में अक्सर लड़ाई झगड़े हो सकते हैं। कभी- कभी लड़ाई झगड़ा घरेलू हिंसा का रूप भी ले सकता है। लड़ाई झगड़े के कारण पारिवारिक माहौल तनावपूर्ण एवं कलेशपूर्वक ही रहेगा। दोनों कभी कभी एक दूसरे पर हिंसक आक्रमण भी कर सकते हैं। दोनों के बीच झगड़े का कारण बुद्धिमत्ता एवं परस्पर समझदारी की कमी ही हो सकती है। यदि समझदारी और समझबूझ से काम न लिया गया तो कुछ समय अंतराल पर यह स्थिति

मुकदमेबाजी तक भी पहुंच सकती है। इस प्रकार परस्पर प्रेम एवं सौहार्द्र की भावना का अभाव ही रहेगा। साथ ही दोनों के बीच अविश्वास की भावना भी रह सकती है। कभी-कभी धनहानि होने की भी संभावना होगी। अतः यदि दोनों परस्पर समझदारी एवं बुद्धि से काम लें तो स्थिति को सुधारा भी जा सकता है। परस्पर लड़ाई झगड़े और वैचारिक मतभेद रहने के कारण परिवार में सुख समृद्धि का अभाव ही देखने को मिलेगा। इस प्रकार वैवाहिक जीवन संघर्षपूर्ण व कलेशपूर्वक बीतने की संभावना है अतः सतर्कता बरतें।

मैत्री

अष्टकूट मिलान में ग्रह मैत्री कूट में vivek का राशि स्वामी priyanka के राशि स्वामी से सम का संबंध रखता है। जबकि priyanka का राशि स्वामी vivek के राशि स्वामी के साथ शत्रु का संबंध रखता है। अतः यह मिलान ग्रह मैत्री के विचार से खराब मिलान है। ज्योतिष की दृष्टि से यदि एक साथी का राशि स्वामी दूसरे के लिए सम किंतु दूसरा उसे शत्रु मानता हो तो ऐसा कुंडली मिलान अच्छा नहीं माना जाता है। दोनों के बीच अक्सर लड़ाई-झगड़ा, तनाव, मतभेद, एवं बहसबाजी का भाव बना रह सकता है। ऐसा भी हो सकता है कि यह बहस कभी-कभी हिंसक रूप धारण कर ले। जिससे शारीरिक चोट एवं मुकदमेबाजी के कारण आर्थिक हानि हो सकती है।

गण

vivek का गण मनुष्य तथा priyanka का गण भी मनुष्य ही है। अर्थात दोनों का गण समान है। अतः यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके कारण दोनों के स्वभाव एक जैसे होंगे। दोनों भौतिक सुखों के आकांक्षी, परिश्रमी, बुद्धिमान, व्यावहारिक तथा मिलनसार रहेंगे। तथा साथ मिलकर अपने सभी दायित्वों का निर्वहन करेंगे।

भकूट

vivek से priyanka की राशि एकादश भाव में स्थित है तथा priyanka से vivek की राशि तृतीय भाव में स्थित है जिसके कारण यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके कारण vivek परिश्रमी, प्रिय, खुश तथा अपना हर कार्य को उत्साह से संपादित करने वाले होंगे। वह अपने परिवार, पड़ोसियों तथा पूरे समाज की आंखों का तारा होंगे। उनके अपनी पत्नी के साथ उसके संबंध अति मधुर होंगे। दूसरी ओर priyanka हर गुण से परिपूर्ण होगी तथा पति के लिए सदैव सहायक होंगी। वह स्वयं भी व्यावसायिक गतिविधियों में लिप्त रहकर धन कमायेंगी। तथा घर के प्रबंधन में महत्वपूर्ण योगदान देंगी। साथ ही भविष्य के लिए बचत भी करती रहेंगी।

नाड़ी

vivek की नाड़ी अन्त्य है तथा priyanka की नाड़ी मध्य है। अर्थात दोनों की नाड़ी समान नहीं है, जो कि अष्टकूट मिलान की दृष्टि से दोष मुक्त है। अर्थात यह मिलान अति उत्तम मिलान है। अन्त्य एवं मध्य नाड़ी दो महत्वपूर्ण जीवनी शक्तियों पित्त एवं कफ की कारक

हैं। जिसके कारण दम्पत्ति का परस्पर प्रेम, अनुकूलता, अच्छा भविष्य, सहयोग की भावना बनी रहेगी। आपकी संतान शक्तिशाली, बुद्धिमान, आज्ञाकारी एवं भाग्यशाली होंगी।

मेलापक फलित

स्वभाव

vivek की जन्मराशि भूमितत्व युक्त वृष तथा priyanka की राशि जलतत्व युक्त मीन है। भूमितत्व तथा जलतत्व में नैसर्गिक मित्रता तथा समता का भाव रहता है। अतः vivek और priyanka में समानता के कारण दाम्पत्य जीवन सुखी रहेगा तथा परस्पर संबंधों मे मधुरता रहेगी।

vivek तथा priyanka की राशि के स्वामी परस्पर शत्रु एवं समराशि में पड़ते हैं। अतः इसके प्रभाव से विचारों में मतभेद के कारण यदा कदा आपसी मन मुटाव की स्थिति उत्पन होगी साथ ही vivek का व्यवहार priyanka के साथ विशेष अच्छा नही रहेगा एवं उनकी भावनाओं का आदर भी कम ही करेंगे जिससे परस्पर विवाद उत्पन्न होंगे। अतः यदि आपसी सामंजस्य से काम किया जाय तो इनमें किंचित शुभता हो सकती है।

vivek और priyanka की राशियां परस्पर एकादश एवं तृतीय भाव में पड़ती है। यह शुभ भकूट माना जाता है। इसके प्रभाव से उपरोक्त दोषों में न्यूनता आएगी तथा एक दूसरे के प्रति स्नेह सहानुभूति एवं सहअस्तित्व के भाव में वृद्धि होगी। वे एक दूसरे के साथ सामंजस्य पूर्वक व्यवहार करके दाम्पत्य जीवन में सुख शांति एवं समृद्धि की वृद्धि करने में समर्थ होंगे।

vivek का वश्य चतुष्पद एवं priyanka का वश्य जलचर है। चतुष्पद तथा जलचर की परस्पर मित्रता एवं समानता रहती है। अतः vivek और priyanka की अभिरूचियां तथा आवश्यकताओं में समानता होगी तथा शारीरिक मानसिक एवं भावनात्मक स्तर पर शुभ मिलान होगा। साथ ही कामसंबधों में भी एक दूसरे को प्रसन्न एवं सन्तुष्ट करने में समर्थ रहेंगे जिससे परस्पर संबधों में मधुरता विद्यमान रहेगी।

vivek का वर्ण वैश्य है। अतः धनार्जन के प्रति अधिक आकृष्ट रहेंगे तथा व्यावहारिक दृष्टि से कार्यो को करेगें। priyanka का वर्ण ब्राहमण होने के कारण शैक्षणिक तथा शास्त्रीय कार्यो में अभिरूचि रहेगी तथा धार्मिक कार्य कलापों को सम्मपन करने में भी प्रवृत रहेंगी।

धन

vivek और priyanka की तारा एक दूसरे के लिए सम रहेगी। अतः इसका आर्थिक स्थिति पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा तथा सामान्य रूप से धन तथा लाभ प्राप्त करने में दम्पति सफल होंगे। vivek एवं priyanka की राशि परस्पर तृतीय एवं एकादश भाव में पड़ती है। यह शुभ भकूट माना जाता है। इसके प्रभाव से vivek और priyanka की आर्थिक स्थिति में सुदृढ़ता तथा सम्पन्नता में वृद्धि होगी तथामंगल का प्रभाव भी शुभ ही रहेगा। अतः आय स्रोतों में वृद्धि होगी।

vivek को लाटरी या सट्टे आदि के द्वारा अचानक धन की प्राप्ति हो सकती है या किसी अन्य स्रोत से एक साथ प्रचुर मात्रा में लाभ के योग बनेंगे। इस प्रकार vivek और priyanka धनऐश्वर्य से युक्त होकर अपना समय व्यतीत करने में समर्थ होंगे।

स्वास्थ्य

vivek अन्त्य तथा priyanka का जन्म मध्य नाड़ी में हुआ है। अतः नाड़ी दोष का इन पर कोई प्रभाव नहीं रहेगा तथा जीवन में गभीर खतरों से ये सुरक्षित रहेंगे। लेकिन मंगल का vivek और priyanka दोनों के स्वास्थ्य पर दुष्प्रभाव रहेगा जिससे दोनों धातु या गुप्त संबधी रोगों से परेशानी की अनुभूति कर सकते है। साथ ही vivek की संभोग शक्ति में शिथिलता एवं हृदय संबंधी रोग भी उत्पन्न हो सकता है। उन्हें मूत्र संबंधी कष्ट की भी उन्हें प्राप्ति होगी जिससे दाम्पत्य जीवन में अनावश्यक कलह तथा अशांति होगी। अतः इसके प्रभाव को कम करने के लिए vivek और priyanka को हनुमानजी की उपासना करनी चाहिए तथा मंगलवार के उपवास भी रखने चाहिए।

संतान

संतति प्राप्ति की दृष्टि से vivek और priyanka का मिलान उत्तम रहेगा। इसके प्रभाव से उन्हें उचित समय पर संतति की प्राप्ति होगी तथा इसमें अनावश्यक विलम्ब भी नहीं होगा। साथ ही बच्चों के जन्म में भी सामान्य अंतर रहेगा जिससे उनका पालन पोषण उचित ढंग से करने में आसानी रहेगी। इसके अतिरिक्त vivek और priyanka के पुत्र एवं कन्या संतति की संख्या समान होगी।

प्रसव के विषय में priyanka के मन में पहले से ही अनावश्यक भय की अनुभूति रहेगी लेकिन priyanka को इस विषय में किसी भी प्रकार की चिन्ता नहीं करनी चाहिए तथा सामान्य रूप से गर्भावस्था का समय व्यतीत करना चाहिए। प्रसव काल में priyanka को प्रसूति या अन्य किसी भी प्रकार की चिकित्सा की आवश्यकता नहीं पड़ेगी तथा सुदंर स्वस्थ एवं आकर्षक बच्चों को जन्म देने में सफल होंगी। साथ ही स्वयं भी स्वस्थ एवं प्रसन्नता की अनुभूति करेंगी।

संतति पक्ष से vivek और priyanka सन्तुष्ट तथा प्रसन्न रहेंगे तथा बच्चे अपने क्षेत्र में अपनी बुद्धिमता तथा योग्यता से उन्नतिमार्ग पर अग्रसर होंगे। साथ ही व्यवहार कुशलता का गुण भी उनमें विद्यमान रहेगा। माता पिता के प्रति उनका पूर्ण आदर तथा आज्ञापालन का भाव रहेगा तथा उनकी इच्छा के विरूद्ध वे कोई भी कार्य सम्पन्न नहीं करेंगे। इस प्रकार vivek और priyanka का पारिवारिक जीवन सुख शांति तथा प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा।

ससुराल-सुश्री

priyanka के अपनी ससुराल के लोगों से संबधों में वांछित मधुरता रहेगी परन्तु यदा कदा सास से कुछ मतभेद रहेगा जिससे उनके साथ सामंजस्य स्थापित करने में

कठिनाई का सामना करना पड़ेगा तथापि यदि priyanka धैर्य एवं बुद्धिमता से कार्य लें तो सास की सहानुभूति प्राप्त हो सकती है।

ससुर देवर एवं ननदों से priyanka के संबध मधुर रहेंगे तथा उनसे वांछित स्नेह एवं सहयोग की प्राप्ति होती रहेगी। ससुर की सुख सविधा एवं आराम का वह पूर्ण ध्यान रखेंगी तथा वे भी उसकी सेवा भावना से प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे। देवर एवं ननद से भी priyanka का व्यवहार मित्रता पूर्ण रहेगा तथा वे भी priyanka से प्रसन्न रहेंगे। इस प्रकार वह ससुराल के लोगों से सामंजस्य स्थापित करके आनंदानुभूति प्राप्त करेंगी।

ससुराल-श्री

vivek तथा उनकी सास के आपसी संबधों में विशेष मधुरता नहीं रहेगी तथा कई मामलों में उनके मध्य काफी प्रबल मतभेद समय समय पर दृष्टि गोचर होंगे। अतः यदि परस्पर सामंजस्य एवं बुद्धिमता के भाव का प्रदर्शन किया जाय तो इन मतभेदों में न्यूनता आएगी तथा आपसी संबधों में मधुरता के भाव की वृद्धि होगी जिससे स्नेह एवं सम्मान का भाव बना रहेगा।

लेकिन ससुर के साथ में vivek के संबध अच्छे रहेंगे तथा वह उन्हें अपने पिता की तरह मान सम्मान तथा सेवा का भाव प्रदान करेंगे। साथ ही समयानुसार वह vivek को अपनी ओर से बहुमूल्य तथा आवश्यक सलाह भी प्रदान करते रहेंगे एवं उन्हें अपने पुत्र के समान अपनत्व तथा स्नेह प्रदान करेंगे। साले एवं सालियों के साथ ही vivek के संबध अच्छे रहेंगे तथा उनसे वांछित आदर सहयोग एवं सहानुभूति प्राप्त होती रहेगी। साथ ही उनसे सामंजस्य का भाव भी रहेगा। इस प्रकार ससुराल का दृष्टिकोण vivek के प्रति अनुकूल ही रहेगा।